देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 195 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
कमजोर रणनीति

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 9 नवंबर 2024

मौसम अधिकतम 26.0° न्यूनतम 18.0°

79924.77

2 जस्टिन ट्रूडो के बदले सुर

7 कोच गौतम गंभीर की बढ़ी सिरदर्दी!

कोई ताकत 370 वापस नहीं ला सकती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

धुले। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को धुले और नासिक में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। रैली को संबोधित करते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, विकसित महाराष्ट्र और विकसित भारत के लिए हमारी महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके जीवन को आसान बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज तेजी से प्रगति करता है।

प्रधानमंत्री ने संबोधन के दौरान धुले में महा विकास अघाड़ी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाअघाड़ी की गाड़ी में न पहिए हैं, न ब्रेक है और ड्राइवर की सीट पर बैठने के लिए झगड़ा हो रहा है। चारों तरफ से अलग-अलग हॉर्न सुनाई दे रहे हैं। जब लोगों को लूटने की नीयत रखने वाले महाअघाड़ी जैसे लोग सत्ता में आते हैं, तो वे विकास को रोकते हैं और हर योजना में भ्रष्टाचार करते हैं। महाअघाड़ी के लोगों के धोखे से बनी सरकार के ढाई साल आपने देखे हैं। इन लोगों ने पहले सरकार को लूटा और फिर महाराष्ट्र के आप लोगों को भी लूटना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जैसे ही कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, उन्होंने कश्मीर के खिलाफ अपनी साजिशें शुरू कर दीं दो दिन पहले, उन्होंने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया। क्या देश यह स्वीकार करेगा? पीएम ने इसको लेकर कहा, कोई भी ताकत 370 वापस नहीं ले सकती। पीएम ने आगे ये भी कहा, राजीव गांधी ने भी ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया था। राजीव गांधी के बाद अब इस परिवार की चौथी पीढ़ी, इनका युवराज इसी खतरनाक भावना के साथ काम कर रहा है। कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा एससी, एसटी, ओबीसी समाज की एकता को किसी भी तरह से तोड़ना है।

अपनी धुले की रैली में पीएम मोदी ने कहा कि महायुति का वचननामा शानदार रहा है। महायुति ने जो वायदा किया उसे पूरा किया, लेकिन कुछ लोग आखों में धूल फेकने का कारोबार कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र की जनता-जनार्दन ने विधानसभा चुनाव में भाजपा नित एनडीए की विजय का शंखनाद कर दिया है।

महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी पर जमकर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

अघाड़ी को माफ नहीं कर सकती माता-बहन

पीएम मोदी ने आगे कहा, महाराष्ट्र की हर महिला को इन अघाड़ी वालों से सतर्क रहना होगा। ये लोग कभी भी नारी शक्ति को सशक्त होते नहीं देख सकते। पूरा महाराष्ट्र देख रहा है कि कांग्रेस, अघाड़ी के लोग अब महिलाओं को गाली देने लगे हैं। किस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। महाराष्ट्र की कोई भी माता-बहन अघाड़ी वालों को माफ नहीं कर सकती।

कांग्रेस के इरादे खतरनाक हैंः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आरक्षण का मुद्दा भी उठाया, उन्होंने कहा, आजादी के समय बाबासाहेब दलितों और वंचितों के लिए आरक्षण चाहते थे लेकिन नेहरू जी इस बात पर अड़े थे कि दलितों, पिछड़ों और वंचितों को आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। बड़ी मुश्किल से बाबासाहेब दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण का प्रावधान कर पाए थे। नेहरू जी के बाद इंदिरा जी आईं और उनका भी आरक्षण के खिलाफ यही रवैया था। ये लोग चाहते थे कि एससी, एसटी, ओबीसी हमेशा कमजोर रहें।

अगले पांच साल महाराष्ट्र की प्रगति को नई ऊंचाई पर ले जाएंगें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पिछले ढाई साल में महाराष्ट्र के विकास की जो गति मिली है, उसे रुकने नहीं दिया जाएगा। अगले 5 साल महाराष्ट्र की प्रगति को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। महाराष्ट्र को जिस सुशासन की जरूरत है, वह महायुति सरकार ही दे सकती है। दूसरी तरफ, महाअघाड़ी की गाड़ी में न पहिए हैं, न ब्रेक और ड्राइवर की सीट पर बैठने के लिए भी झगड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र से मैंने जब भी कुछ मांगा है, महाराष्ट्र के लोगों ने दिल खोलकर मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। आपने महाराष्ट्र में 15 साल के सियासी कुचक्र को तोड़कर भाजपा को अभूतपूर्व जीत दिलाई थी।

संक्षिप्त समाचार

आपकी चार पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं: अमित शाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं- शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।

अगर मैंने किसी का दिल दुखाया हो तो माफी चाहूंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ रविवार को पद से मुक्त हो जाएंगे। उनके सम्मान में विदाई समारोह शुक्रवार को ही आयोजित किया गया। 10 नवंबर को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना उनका स्थान लेंगे। वह देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने विदाई समारोह के मौके पर कहा, अगर कोर्ट में किसी कोई तकलीफ पहुंची हो तो माफी चाहता हूं।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अल्पसंख्यक दर्जे की हकदार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धार्मिक समुदाय शिक्षा संस्थान चला सकते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं अब इसका फैसला तीन जजों की संविधान पीठ करेगी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे से जुड़े मामले को नई पीठ के पास भेज दिया। शीर्ष अदालत ने 1967 के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसे केंद्रीय कानून के तहत बनाया गया था।

शुक्रवार को सात जजों की पीठ ने मामले की सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने 4:3 के बहुमत से कहा कि मामले के न्यायिक रिकॉर्ड को सीजेआई के समक्ष रखा जाना चाहिए ताकि 2006 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता तय करने के लिए नई पीठ गठित की जा सके।

शीर्ष अदालत ने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान का हकदार है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कोई भी धार्मिक समुदाय संस्थान की स्थापना कर सकता है। मगर धार्मिक समुदाय संस्था का प्रशासन नहीं देख सकता है। संस्थान की स्थापना सरकारी नियमों के मुताबिक की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यक दर्जे का हकदार है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर तीन जजों की नई बेंच बनेगी। यह नई बेंच ही तय करेगी एएमयू का दर्जा क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागतः रशीद फिरंगी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा, ष्हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं जिसमें उसने 1967 के अपने फैसले को खारिज कर दिया है। तब फैसले में कहा गया था कि एएमयू अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है। मुझे लगता है कि एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को तय करने में सुप्रीम कोर्ट का फैसला काफी मददगार साबित होगा।

हम संविधान बचाने के लिए लड़ रहे है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिमडेगा। झारखंड में पहले चरण के चुनाव के पहले शुक्रवार को राहुल गांधी सिमडेगा पहुंचे हैं। इसके बाद वो लोहरदगा में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। सिमडेगा में राहुल गांधी ने अपने चुनावी संबोधन की शुरुआत लव यू के साथ की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि देश में दो विचारधारा की लड़ाई चल रही है और हम संविधान बचाने के लिए लड़ रहे हैं। सिमडेगा में आयोजित की गई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की जनसभा में उमड़ी भीड़।

राहुल गांधी ने कहा कि हम आपको आदिवासी कहते हैं, भाजपा आपको वनवासी कहती है। संविधान में वनवासी शब्द नहीं है। आदिवासी देश के पहले मालिक हैं, जल, जंगल, जमीन पर पहला हक उनका होना चाहिए। भाजपा चाहती है कि आदिवासी सिर्फ वनवासी बनकर रहें। विकास के नाम पर आदिवासी की जमीन छीनी जा रही है। हम चाहते हैं कि अगर आपकी जमीन पर फैक्ट्री लगे तो आपके बच्चों को वहीं नौकरी मिले।

देश मे एससी,एसटी,अल्पसंख्यक, ओबीसी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन संवैधनिक संस्थानों में उनकी भागीदारी बेहद कम है। मीडिया में भी आदिवासी व ओबीसी की भागीदारी कम है।

निशाना

■झारखंड में भाजपा पर बरसे राहुल गांधी

सभा में दिखाई संविधान की किताब

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान सामने मौजूद लोगों को संविधान की किताब भी दिखाई। हम संविधान को बचा रहे हैं और वो इसे समाप्त कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी व अडानी-अंबानी चाहते है कि संविधान के प्रावधान खत्म हों।

भारत महान देश, हमारा रिश्ता आपसी विश्वास पर टिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ पुतिन ने इशारों- इशारों में अमेरिका को दिया बड़ा संदेश

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत एक महान शक्ति है। हिंदुस्तान वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का हकदार है। भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में किसी भी अन्य देश की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।

रूसी शहर सोची में वाल्दाई डिस्कशन क्लब को पुतिन ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ सभी दिशाओं में संबंध विकसित कर रहा है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में काफी हद तक विश्वास है।

पुतिन ने कहा कि, भारत को निस्संदेह महाशक्तियों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इसकी डेढ़ अरब की आबादी दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में प्राचीन संस्कृति और आगे की विकास संभावना के साथ सबसे तेजी से बढ़ रही है। पुतिन ने कहा कि भारत एक महान देश है। 1.5 अरब की आबादी के साथ जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ा देश है। हम भारत के साथ सभी दिशाओं में संबंधों को मजबूत बनाने पर काम कर रहे हैं।

न्यूज डायरी

इजरायल को धमकी दे रहा लेकिन हमला नहीं कर रहा ईरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। ईरान ने बार–बार कहा है कि वह इजरायली हवाई हमले का जवाब देगा। अमेरिका में बीते 5 नवम्बर को होने वाले चुनाव के पहले तो यहां तक आशंका जताई जा रही थी कि तेहरान चुनाव वाली रात को हमला कर सकता है। इसकी वजह भी थी। ईरान के लिए यह सही मौका था, क्योंकि अमेरिका का ध्यान अपनी घरेलू राजनीति में था। लेकिन तमाम धमकियों के बाद अभी तक ईरान ने हमला नहीं किया है। आखिर इसकी वजह क्या है? ईरान ने इसी साल अप्रैल में इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद उसने 1 अक्तूबर को फिर से हमला किया। तेहरान ने इजरायल के ऊपर 180 बैलिस्टिक मिसाइलें बरसाईं, जिनमें कई इजरायली क्षेत्रों के अंदर आकर गिरीं। इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की और 26 अक्तूबर को ईरान पर सबसे अपना सबसे बड़ा हवाई हमला बोला। इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ ही शिया शासन की मिसाइल सुविधाओं को निशाना बनाया। इसके बाद से ही ईरान एक बार फिर इजरायल पर हमला करने की धमकी दे रहा है। इस बीच 5 नवम्बर को हमले की योजना के बारे में अफवाह उड़ी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक गार्ड कोर के जुड़े टेलीग्राम चैनलों पर इराक, सीरिया और यमन से ड्रोन हमलों की अफवाहें सामने आईं, लेकिन अब सब थम गया है। हालांकि, ईरान पूरी तरह से चुप नहीं हुआ है। आईआरजीसी के डेप्युटी कमांडर अली फदावी ने 6 नवमब्र को एक धमकी भरा बयान दिया।

हिंदुओं के खिलाफ हमले पर जस्टिन ट्रूडो के बदले सुर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओट्टावा। अमेरिका के राष्ट्रपति पद से जो बाइडन की डेमोक्रेटिक सरकार की विदाई तय होते ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सुर बदलने लगे हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री ने बीते रविवार 3 नवम्बर को ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी अलगाववादियों के हमले की निंदा की है। यही नहीं, खालिस्तान समर्थकों को खुली छूट देने वाले जस्टिन ट्रूडो ने यह भी कहा कि खालिस्तानी सभी सिखों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। बुधवार को कनाडा की संसद में बोलते हुए ट्रूडो ने हिंसा भड़काने के लिए जिम्मेदार लोगों की निंदा की और कहा कि ऐसा करने वाले कनाडा में रहने वाले सिख और हिंदू समुदाय प्रतिनिधित्व नहीं करते। ट्रूडो ने कहा, बीते कुछ दिनों में हमने देश भर में दक्षिण एशियाई समुदायों में हिंसा देखी है। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं, जो लोग हिंसा, विभाजन और घृणा भड़का रहे हैं, वे किसी भी तरह से कनाडा में सिख समुदाय या हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसक की घटना ने कनाडा के हिंदू समुदाय में चिंता पैदा कर दी है। ऐसी खबरें आईं कि हिंदू मंदिर पर हमले के दौरान महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया गया।

रूस ने दिया जवाब, ड्रैगन के आकाश में गरजा सुखोई सू–57 फाइटर जेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में चल रहे झुहाई एयरशो में रूस ने अपने स्टील्थ फाइटर जेट सुखोई–57 को भेजकर दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है। रूस का यह लड़ाकू विमान तब चीन पहुंचा है जब ड्रैगन खुद को स्टील्थ विमानों का बादशाह बनाने में जुटा हुआ है। सुखोई–57 को देखकर चीनियों को काफी मिर्ची लगी और उन्होंने इसकी सोशल मीडिया में आलोचना शुरू कर दी। सुखोई–57 विमान ने अब चीनी एयरशो से ठीक पहले उड़ान भरके और अपनी शानदार कलाबाजियों को दिखाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। रूस ने झुहाई एयर शो का इस्तेमाल अपने इस रेडॉर की पकड़ में नहीं आने वाले फाइटर जेट के प्रचार के लिए करना शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि सुखोई–57 श्पांचवीं पीढ़ी का एकमात्र फाइटर जेट है। रूस ने दावा किया है कि सुखोई–57 पश्चिमी देशों के एयर डिफेंस सिस्टम खासकर पैट्रियट को मात दे सकता है। रूस की सरकारी कंपनी रोस्टेक के जनरल डायरेक्टर सर्गेई चेमेजेव ने कहा कि झुहाई एयरशो में इस विमान के एक्सपोर्ट वर्जन सू–57ईको प्रदर्शित किया जाएगा। दावा किया कि यह दुनिया का एकमात्र पांचवीं पीढ़ी का विमान है जो पश्चिमी देशों के एयर डिफेंस सिस्टम पेट्रियट, NASAM और IRIS&T के खिलाफ भी काफी प्रभावी है।

अगले चुनाव में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की विदाई तय

रिपोर्ट

एलन मस्क ने की कनाडा के पीएम पर भविष्यवाणी जर्मन चांसलर को को मूर्ख बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन डीसी। टेस्ला के मालिक और दिग्गज अरबपति एलन मस्क ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को आड़े हाथों लिया। एलन मस्क ने भविष्यवाणी की है कि ट्रूडो आगामी चुनाव में हार जाएंगे। उनकी सरकार जाने वाली है। मस्क ने कटाक्ष किया कि 20 अक्टूबर 2025 या उससे पहले होने वाले आगामी कनाडाई संघीय चुनाव में ट्रूडो चले जाएंगे। उन्होंने यह प्रतिक्रिया जर्मनी की समाजवादी सरकार के गिरने की बात कहने वाले एक पोस्ट पर दी। मस्क ने एक्स पर लिखा, आगामी चुनाव में वे चले जाएंगे।

2013 से लिबरल पार्टी का नेतृत्व कर रहे जस्टिन ट्रूडो के लिए आगामी संघीय चुनाव बेहद अहम हैं। इन दिनों ट्रूडो को अपनी ही पार्टी के अंदर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि ट्रूडो की सरकार अल्पमत में चल रही है। वह किसी भी वक्त गिर सकती है। चुनाव में ट्रूडो की लिबरल पार्टी का सामना विपक्ष के नेता पियरे पोलिएवर की कंजर्वेटिव पार्टी और जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी से होगा। ब्लॉक क्यूबेकॉइस और ग्रीन पार्टी भी ट्रूडो का सियासी गणित बिगाड़ सकती हैं।

एलन मस्क ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को मूर्ख बताया। उन्होंने जर्मन भाषा में पोस्ट किया कि ओलाफ इस्ट ईन नार। इसका मतलब यह होता है कि ओलाफ मूर्ख हैं। मस्क की पोस्ट पर एक उपयोगकर्ता ने कहा कि हमें कनाडा को ट्रूडो से छुटकारा दिलाने में आपकी मदद की जरूरत है। इसी पोस्ट पर एलन मस्क ने अपनी प्रतिक्रिया दी और ट्रूडो की विदाई की भविष्यवाणी कर दी।

रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने अपने वित्त मंत्री को कैबिनेट से निकाल दिया है। अब आशंका है कि सरकार किसी भी वक्त गिर सकती है। स्कोल्ज ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को निकाल दिया है। देश को नुकसान से बचाने के लिए उन्हें निकालना आवश्यक था। जर्मनी में इन दिनों ट्रैफिक लाइट गठबंधन सत्ता में काबिज है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के ओलाफ स्कोल्ज, फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी के लिंडनर और ग्रीन पार्टी के रॉबर्ट हैबेक के बीच कई दिनों की वार्ता हुई। इसके बाद वित्तमंत्री को निकाला गया है।

कनाडा में ट्रूडो को भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा अनुमान है कि आगामी चुनाव में उनके विरोधी जीत दर्ज कर सकते हैं। पिछले एक साल से कनाडा और भारत के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। भारत ने कनाडा में उग्रवाद के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

अब कनाडा की करतूत पर आउटलेट ने दिया करारा जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर की प्रेस कांफ्रेंस दिखाने पर कनाडा सरकार ने ऑस्ट्रेलियाई टीवी न्यूज चैनल ऑस्ट्रेलिया टुडे के सोशल मीडिया अकाउंट के पेज को ब्लॉक कर दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के इस कदम को हिपोक्रेसी बताया है। अब इस मामले पर कनाडा की तरफ से प्रतिबंधित समाचार आउटलेट ऑस्ट्रेलियाई टुडे ने जवाब दिया है।

उन्होंने कहा, वो पारदर्शिता और स्वतंत्र प्रेस के लिए प्रतिबद्ध है। हम पर इन सभी बाधाओं का कोई असर नहीं होगा,हम महत्वपूर्ण कहानियों और आवाजों को जनता के सामने लाने के अपने मिशन में दृढ़ हैं।

ऑस्ट्रेलियाई आउटलेट ने जोर देकर कहा, हमें जो जबरदस्त समर्थन मिला है, वह एक शक्तिशाली है स्वतंत्र प्रेस के महत्व की याद दिलाते हुए, हम पारदर्शिता, सटीकता और महत्वपूर्ण कहानियों को बताने के अधिकार के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।

आउटलेट ने कहा, कनाडाई सरकार के आदेशों के तहत, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हमारे साक्षात्कार और सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री सीनेटर वोंग के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस पर हालिया प्रतिबंध, हमारी टीम के लिए मुश्किल हो गया है।

सुजैन विल्स को डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया चीफ ऑफ स्टाफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान की प्रबंधक सुजैन विल्स को 'व्हाइट हाउस' की 'चीफ ऑफ स्टाफ' नियुक्त किया है। व्हाइट हाउस अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास है। जिम्मेदारी संभालने के बाद विल्स इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बन जाएंगी। अमेरिका में चीफ ऑफ स्टाफ एक शक्तिशाली पद होता है। ट्रंप ने कहा, 'सुजैन (विल्स) अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए अथक प्रयास करती रहेंगी। अमेरिका के इतिहास में पहली महिला 'चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में सुजैन का होना सम्मान की बात है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे देश को गौरवान्वित करेंगी।' विल्स, 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के सफल चुनाव प्रचार अभियान की प्रबंधक थीं।

बधाई संदेश में शेख हसीना ने खुद को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री और देश की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग की नेता शेख हसीना एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। शेख हसीना ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर डोनाल्ड ट्रंप को बधाई संदेश दिया है। इसमें शेख हसीना ने खुद को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनाया है। इस बयान के बाद बांग्लादेश में शेख हसीना को लेकर अचानक हलचल तेज हो गई है। अवामी लीग के कार्यालय सचिव के हस्ताक्षर वाला एक पत्र पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है, जिसमें हसीना ने ट्रंप के असाधारण नेतृत्व गुणों की तारीफ की और उम्मीद जताई कि बांग्लादेश और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध

बधाई संदेश के बाद बांग्लादेश में सियासी हलचल तेज

मजबूत होंगे।

पत्र में कहा गया, बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष, (प्रधानमंत्री) शेख हसीना ने अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति चुने जाने पर डोनाल्ड जे. ट्रंप को बधाई दी है। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के रूप में डोनाल्ड जे. ट्रंप और मेलानिया ट्रंप के साथ अपनी बैठकों और बातचीत को मधुरता से याद किया। इसमें आगे कहा, श्उन्होंने दोनों देशों के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए फिर से मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बांग्लादेश में सरकार विरोधी एक बड़े प्रदर्शन के बाद इसी साल 5 अगस्त को शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था और भागकर भारत आ गई थीं। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण को खत्म करने को लेकर शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन कई सप्ताह के बाद भड़क गया था। ढाका की सड़कों पर हजारों छात्र प्रदर्शनकारी उतर आए थे।

शेख हसीना के जाने के बाद प्रदर्शनकारी उनके आधिकारिक आवास में घुस गए थे। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार–उज–जमान ने उसी दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करके घोषणा की कि शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और देश छोड़कर चली गई हैं। 5 अगस्त की शाम को ही वह बांग्लादेश की सेना के विमान से दिल्ली के पास स्थित भारतीय वायु सेना के हिंडन एयरबेस पर उतरीं।

पहली विदेश यात्रा पर चीन जा रहे जहरीले केपी ओली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीन के गुलाम कहे जाने वाले नेपाल के नए पीएम केपी ओली अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर चीन जा रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में केपी ओली चीन में रहेंगे। इससे पहले नेपाल में यह परंपरा रही थी कि जो भी नया प्रधानमंत्री बनता है, वह सबसे पहले भारत की यात्रा करता है। केपी ओली जब पिछली बार पीएम बने थे तो उन्होंने कई भारत विरोधी कदम उठाए थे। नेपाल का विवादित नक्क्शा हो या अयोध्या विवाद, केपी ओली के जहरीले बयानों से दोनों देशों के बीच रिश्ते रसातल में चले गए थे। अब जब केपी ओली ने फिर से पीएम पद पर वापसी की है, तब भारत ने उन्हें भाव नहीं दिया है।

क्षमा धर्म है, क्षमा यज्ञ है, क्षमा वेद है और क्षमा शास्त्र है। इसको जानने वाला सब कुछ क्षमा करने योग्य हो जाता है।-अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, शनिवार, 9 नवंबर 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

वर्क-लाइफ बैलेंस से आगे

इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी।

अनुज श्रीवास्तव।।

अमेरिका स्थित एक माइंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन की ओर से हाल में करवाई गई एक ग्लोबल स्टडी की रिपोर्ट ने वर्क कल्चर और मेंटल हेल्थ के रिश्तों पर नए सिरे से रोशनी डाली है। रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भारत में वर्कलोड और ऑफिस के तनाव भरे माहौल पर बहस गर्म है। खासकर पिछले दिनों पुणे में हुई 26 साल की एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत ने इस बहस को तेज कर दिया है।

कोविड-19 के प्रभावों से वर्क फ्रॉम होम मॉडल का चलन बढ़ा था। एंप्लॉयीज का एक वर्ग अभी भी इसी को पसंद करता है और कंपनियों को उन्हें ऑफिस बुलाने में मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा। लेकिन रिपोर्ट में यह तथ्य स्थापित हुआ है कि अकेले काम करने के बजाय टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मोड अपनाने वालों के मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स बेहतर पाए गए। हालांकि अमेरिका और यूरोप में हाइब्रिड मोड (यानी कुछ दिन घर से काम और कुछ ऑफिस से) को सबसे अच्छा पाया गया।

वर्क लोड और ऑफिस के माहौल का जहां तक सवाल है तो रिपोर्ट बताती है कि मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स का रिश्तों से बड़ा गहरा नाता है। मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है सहकर्मियों के साथ रिश्ता। सर्वे में यह बात सामने आई कि वर्कलोड और फ्लेक्सिबल टाइमिंग जैसे फैक्टर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है साथ काम कर रहे लोगों के साथ रिश्ता पॉजिटिव है या नहीं, अपने काम के साथ गर्व का भाव जुड़ा है या नहीं और वर्कप्लेस पर पूछ है या नहीं। यह रिपोर्ट मेंटल हेल्थ से जुड़ी बहस को वर्क-लाइफ बैलेंस के पारंपरिक दायरे से आगे ले जाती है। इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी। वर्कप्लेस के जिन तनावों की बात अक्सर की जाती है, वे भी काफी हद तक सहकर्मियों के आपसी रिश्तों से निर्धारित होते हैं।

निश्चित रूप से वर्कप्लेस पर बढ़ते तनाव के मसले को एंप्लॉयी-एंप्लॉयर संबंधों से पूरी तरह काटकर नहीं देखा जा सकता। इसका एक सिरा काम के घंटों और एंप्लॉयी से एंप्लॉयर्स की अपेक्षाओं से भी जुड़ता ही है, लेकिन रिपोर्ट ने कई अन्य अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है जो अक्सर बहस में अनदेखे रह जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के प्रयासों में और मजबूती आएगी।

रोजी रोजगार

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। भारत के सबसे बड़े और सबसे धार्मिक जगह वाराणसी में एक सेठ और सेठानी रहते थे। सेठ देखा कपड़े का बहुत बड़ा कारोबार था। उसकी एक कपड़े की दुकान थी उसी दुकान से उसका पूरा घर तथा रोजी रोजगार चलता था। दुकान बहुत ज्यादा बढ़ा था उसमें करीब करीब 10 से भी ज्यादा काम करने वाले लोग काम करते थे। सेठ सेठानी भगवान श्री गणेश जी की बहुत बड़ा भक्त था। वह हमेशा सुबह उठते ही भगवान श्री गणेश जी की पूजा आराधना करते हुए श्री गणेश जी को भोग लगाकर ही अपना खाना खाया करते थे। वह भगवान के प्रति बहुत ज्यादा भक्ति बाय होकर उसकी भी पूजा आराधना किया करते थे। दिन भगवान श्री गणेश किसी काम से कहीं जा रहे थे रास्ते में उसे भूख लगी थी। तभी श्री गणेश जी ने उसी सेठ सेठानी के खेत के ऊपर से गुजर रहे थे उसके खेत में गेहूं का पौधा लगा हुआ था। ...**शेष कल**

संपादकीय

गठबंधन में कमजोर

गांधी परिवार हरियाणा की असफलता की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। छोटे-से राज्य हिमाचल प्रदेश को छोड़ दीजिए तो पिछले 6 बरसों में कांग्रेस पार्टी विंध्याचल के उत्तर में किसी भी राज्य में बीजेपी को सीधे मुकाबले में नहीं हरा पाई है। इससे जाहिर होता है कि नेतृत्व में गंभीर कमी है। महाराष्ट्र में एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना, झारखंड में जेएमएम, दिल्ली में आप और बिहार में आरजेडी से सीटों के तालमेल पर बात करते हुए कांग्रेस की स्थिति कमजोर रहेगी। बागी और निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में बहुत चुनौती पेश की और कांग्रेस की रणनीति इसका सामना करने में नाकाम रही। चुनाव में कांग्रेस के 36 बागी नेता खड़े थे। वहीं, बीजेपी के 33 नेताओं ने बागी रुख अपनाया। महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी ने इन बागियों को संभाला कैसे। हरियाणा जैसे राज्य में इस तरह का चुनावी प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां जीत का मार्जिन बहुत कम होता है। यानी इंडिया ब्लॉक की मजबूत दीवार बनने के बजाय कांग्रेस को फिर से क्षेत्रीय दलों के सामने झुक कर काम करना पड़ेगा।

इसमें एक गलती यह रही कि हुड्डा को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार दिखाने और बाकी नेताओं को नजरअंदाज करने से बीजेपी को जाट बनाम गैर-जाट का नैरेटिव आगे बढ़ाने का मौका मिल गया।

कमजोर रणनीति

आसिम अली।।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए बड़ी असफलता साबित हुए हैं। पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान जो मोमेंटम हासिल किया था, उसे गंवा दिया है। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के अहम विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी ने इसके पहले खुद को कमजोर स्थिति में ला दिया है। हरियाणा में कांग्रेस को काफी उम्मीदें थीं। लेकिन उसकी रणनीति में कहां कमी रह गई और इसका केंद्रीय नेतृत्व के लिए क्या मतलब है, इसे समझने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस ने इस चुनाव की कमान एक तरह से भूपेंद्र हुड्डा गुट को सौंप दी थी। पार्टी ने हालांकि मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की, लेकिन यह साफ था कि संभावित चेहरा भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही होंगे। इसकी उम्मीद इसलिए भी थी क्योंकि हुड्डा गुट ने 90 में से 72 सीटों पर अपने करीबियों को टिकट दिलाया था। हरियाणा कांग्रेस में किसी एक गुट का इस हद तक नियंत्रण बिल्कुल नई बात है। अतीत में जाएं, तो 1980 के दशक में पार्टी की राज्य इकाई भजनलाल और बंसीलाल गुटों में बंटी थी। 1990 के दशक से भजनलाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा होने लगी। 2000 के दशक के बीच से राज्य में ऐसे दूसरे

नेता उभर आए जिन्होंने मजबूत हुड्डा गुट को टक्कर दी। पिछले पांच बरसों में हुड्डा परिवार फिर से मजबूत हुआ है। उसने अपने प्रतिद्वंद्वियों को या तो पार्टी से बाहर कर दिया या फिर उनके प्रभाव को खत्म कर दिया। उदाहरण के लिए कुलदीप बिश्नोई, अशोक तंवर और किरण चौधरी का नाम ले सकते हैं, जिन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ा। हालांकि चुनाव से ठीक पहले तंवर की वापसी हो गई थी। इसी तरह, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला जैसे वरिष्ठ नेताओं का प्रभाव घटता गया।

कांग्रेस में विभिन्न गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा का फायदा यह है कि इससे पार्टी को अलग-अलग जाति और क्षेत्र के जटिल समीकरणों को साधने में मदद मिलती है। साथ ही, उसकी छवि एक ऐसे दल के रूप में बनती है, जिसके तहत हर तरह के लोग काम कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो गुटों का टकराव संतुलन लाने में मदद करता है, मसलन जाट नेताओं के प्रभाव के सामने ओबीसी और दलित नेताओं को लाना।

इस बार कांग्रेस की रणनीति में कुछ कमजोरियां थीं, जिसका उसे नुकसान उठाना पड़ा। इसमें एक गलती यह रही कि हुड्डा को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार दिखाने और बाकी नेताओं को नजरअंदाज करने से बीजेपी को जाट बनाम गैर-जाट का नैरेटिव आगे बढ़ाने का मौका मिल गया। यह याद रखना चाहिए कि राज्य में जाटों की आबादी केवल 19 प्रतिशत है। जाट दबदबे का डर दिखाकर बीजेपी ने अपने मुख्य वोट बैंक, अगड़ी जातियों और ओबीसी को एकजुट किया। साथ ही, काफी संख्या में दलित वोट भी हासिल कर लिए।

हरियाणा में दलित वोट बैंक कुल आबादी का लगभग 21 प्रतिशत है, लेकिन लगता है कि कांग्रेस इसका फायदा नहीं उठा पाई। आईएनएलडी-बसपा गठबंधन को 6 प्रतिशत वोट शेयर मिलना दिखाता है कि दलितों का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस के अभियान से दूरी बनाए हुए था। आखिरी चरण को छोड़ दिया जाए तो बाकी चुनाव प्रचार से कुमारी सैलजा गायब रहीं। इससे भी कांग्रेस के पक्ष में दलितों को जुटाने में मुश्किल हुई।

सूडोकु नवताल-5345

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

सूडोकु नवताल -5344 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

अपना ब्लॉग

नेतृत्व पर असर

मोहन। हरियाणा की हार ने कमजोर हाईकमान की समस्या को उजागर कर दिया है, जो उम्रदराज नेताओं के दबाव में झुक जाता है। ळ23 विद्रोह में हुड्डा भी शामिल थे। सोनिया गांधी उनकी मांगों के आगे झुक गईं और हरियाणा में पार्टी से जुड़े मामलों पर उन्हें पूरी तरह नियंत्रण दे दिया। ऐसा ही मामला राजस्थान में हुआ, जहां अशोक गहलोत ने एक सफल बगावत की। फिर मध्य प्रदेश का भी उदाहरण है। वहां पुराने नेता कमलनाथ ने युवा नेताओं को उभरने से रोका। इन सभी राज्यों में कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। दोनों पार्टियों का कुल वोट शेयर लगभग समान था, करीब 40 प्रतिशत लेकिन, औसत वोट शेयर के मामले में बीजेपी ने कांग्रेस पर काफी बढ़त हासिल कर ली। यहां बीजेपी का डेटा रहा 45 प्रतिशत और कांग्रेस का 40 प्रतिशत। औसत वोट शेयर का मतलब है एक खास निर्वाचन क्षेत्र में किसी पार्टी को मिला वोट शेयर।

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस

9 नवम्बर

की हार्दिक शुभकामनाएं

“माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर
- नकल विरोधी कानून का असर, तीन साल में रिकार्ड 17,500 से अधिक सरकारी रोजगार, आगे की भर्ती प्रक्रिया गतिमान
- राज्य आन्दोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में 10% क्षैतिज आरक्षण
- पिछले 20 माह मे जी एस डी पी में 1.3 गुना वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय में पिछले 2 वर्षों मे 26 प्रतिशत बढ़ोतरी
- हाऊस ऑफ हिमालयाज़ उत्तराखण्ड के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की मजबूत पहल
- नई फिल्म नीति के तहत उत्तराखण्ड की कुमाऊँनी, गढ़वाली, जौनसारी आदि क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को कुल लागत का 50% अथवा 2 करोड़ तक सब्सिडी
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति के माध्यम से ओद्यौगिक निवेश को प्रोत्साहन
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये रु. 200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना
- भ्रष्टाचार की शिकायत हेतु 1064 एप तथा 1905 सी.एम. हेल्पलाइन
- को-ऑपरेटिव बैंको तथा सहकारी समितियों में महिलाओं के लिये 33% आरक्षण
- दीन दयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना, राज्य में 5000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत
- उत्तराखण्ड राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि को कई गुना बढ़ाते हुए 50 लाख तक किया गया तथा एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान

देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

निवेशकों की पहली पसंद बनता उत्तराखण्ड

- अच्छा व्यावसायिक वातावरण
- निवेश अनुकूल नीतियां
- अच्छी कानून व्यवस्था
- बेहतर कनेक्टिविटी

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

- प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का सफल आयोजन
- समान नागरिक संहिता जल्द होगी लागू
- उधमसिंहनगर के खुरपिया फार्म में केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाऊनशिप की स्वीकृति
- हल्द्वानी में होगी खेल विश्वविद्यालय की स्थापना
- प्रदेश में 4 हजार से अधिक क्लस्टरों में जैविक कृषि
- राजकीय और सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें
- बहुप्रतीक्षित बहुउद्देशीय जमरानी, सोंग और लखवाड़ बांध परियोजनाओं पर कार्य गतिमान
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर MSME के अंतर्गत 50% तक सब्सिडी
- रेल, रोड़, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार
- उत्तराखण्ड में जबरन धर्मान्तरण पर रोक लगाने के लिए एक सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून लागू किया गया
- दंगा विरोधी कानूनः अब दंगाइयों पर कड़ी कारवाई करने के साथ ही दंगे में होने वाली सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की भरपाई भी दंगाइयों से ही की जाएगी
- महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने हेतु लखपति दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल किए जा रहे हैं
- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा 3.56 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित, लगभग 85 हजार करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंडिंग गतिमान

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

पैरों से मिल सकता है कंजेस्टिव हार्ट फेलियर का संकेत

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर आमतौर पर समय के साथ और बिगड़ता जाता है। जैसे-जैसे यह बढ़ता है इसके संकेत और लक्षण अलग दिखाई देते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर तब होता है जब हार्ट पूरे शरीर में ठीक से ब्लड पंप करने में असमर्थ हो जाता है। समय के साथ फेफड़ों और पैरों में तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं। कुछ दवाइयां और अन्य इलाज से सूजन जैसे लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। कंजेस्टिव हार्ट फेलियर में हार्ट के चारों ओर फ्लूड बनता है जिससे हार्ट ब्लड पंप नहीं कर पता है। इसे अक्सर हार्ट फेल के रूप में भी जाना जाता है और यह हार्ट अटैक से अलग होता है।

क्या है कंजेस्टिव हार्ट फेलियर?

हार्ट में कुल चार चेंबर होते हैं दो ऊपर और दो नीचे। ऊपरी दो चेंबर को आर्टरी और निचले आधे हिस्से के दोनों चेंबर को वेंट्रिकल कहते हैं। वेंट्रिकल शरीर के सभी अंगों में ब्लड पंप करने का काम करता है। वहीं शरीर के बाकी हिस्सों में वापस भेजने के लिए आर्टरी खून को खींचता है। जब कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर की समस्या होती है तब वेंट्रिकल शरीर में पर्याप्त मात्रा में खून को पंप नहीं कर पाता है। इसके परिणामस्वरूप खून और दूसरे तरल पदार्थ पेट, लिवर, फेफड़े आदि में वापस चले जाते हैं। यह एक जानलेवा स्थिति हो सकती है, ऐसे में व्यक्ति को तुरंत इलाज की जरूरत होती है।

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर के लक्षण

फेफड़ों में तरल पदार्थ बनने के कारण व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। इसमें सूखी खांसी भी आती है। किडनी में पर्याप्त मात्रा में खून नहीं पहुंचने पर वॉटर रिटेंशन हो सकता है। इसमें पैरों, पेट और टखनों में सूजन आ जाती है। इससे वेट भी बढ़ता है। शरीर के अंगों में पर्याप्त मात्रा में खून न पहुंचने के कारण थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा ब्रेन में ब्लड फ्लो की कमी के कारण चक्कर और भ्रम जैसी समस्या भी हो सकती है।

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर के प्रकार

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार कंजेस्टिव हार्ट फेलियर के प्रकार हैं लेफ्ट साइड हार्ट फेलियर, राइट साइड हार्ट फेलियर, हाई आउटपुट हार्ट फेलियर, हाई आउटपुट और हार्ट फेलियर एक बहुत ही दुर्लभ प्रकार का हार्ट फेलियर है।

क्या है केलेशन थेरेपी जो शरीर को साफ करने में करती है मदद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

शरीर में मरकरी, लीड और आर्सेनिक जैसे धातुएं के जमा होने पर यह विषाक्तता हो सकती है। ऐसे में केलेशन थेरेपी के जरिए इन धातुओं को बाहर निकाला जाता है ताकि इसका असर व्यक्ति की सेहत पर ना पड़े। हालांकि यह हार्ट डिजीज का सही इलाज है या नहीं, यह बात अभी तक साबित नहीं हो पाई है, लेकिन फिर भी हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक और स्ट्रोक के इलाज के लिए कुछ लोग यह थेरेपी लेते हैं। इस थेरेपी में मरीज को किलेटर्स दिए जाते हैं जो केमिकल कंपाउंड होते हैं। यह शरीर में मौजूद भारी धातुओं को बांधकर पेशाब के जरिए बाहर निकालने में मदद करते हैं। हार्ट डिजीज, अल्जाइमर रोग और ऑटिज्म जैसी बीमारियों के इलाज के लिए केलेशन थेरेपी का सहारा लिया जाता है।

कैसे काम करती है केलेशन थेरेपी?

इस थेरेपी के दौरान मरीज को ईडीटीए का इंजेक्शन दिया जाता है। खून में जाने के बाद यह शरीर में मौजूद मिनरल्स को बांध देता है और पेशाब के जरिए बाहर निकाल देता है। हार्ट ब्लॉकेज होने पर व्यक्ति की आर्टरीज में कैल्शियम इकट्ठा हो जाता है। ऐसे में जब ईडीटीए आर्टरीज में पहुंचता है तो वह जमे हुए कैल्शियम को बाइंड करता है और खून से मैल साफ करने का काम करता है।

हार्ट डिजीज के लिए केलेशन थेरेपी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार इस थेरेपी का उपयोग मरकरी के इलाज और पॉइजनिंग के लिए किया जाता है। हालांकि हार्ट डिजीज के लिए यह कितना कारगर और सुरक्षित है इस बात पर अभी और अध्ययन और क्लिनिकल ट्रायल की आवश्यकता है। कुछ अध्ययनों में इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में भी बताया गया है। डॉक्टर इसका इस्तेमाल हार्ट ब्लॉक को क्लियर करने और हार्ट अटैक या कोरोनरी आर्टरी डिजीज के लिए करते हैं।

ऑटिज्म के लिए केलेशन थेरेपी

चूंकि मरकरी एक्स्पोजर से ऑटिज्म होता है इसलिए जानकारों के अनुसार ऑटिज्म के लिए केलेशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि यदि गर्भवती महिला कुछ दवाइयों और भोजन का सेवन कर रही हैं जिसमें मरकरी मौजूद है या फिर सांस के जरिए मरकरी उसके अंदर प्रवेश कर रहा है तो उसके गर्भ में पल रहा भ्रूण भी इसके संपर्क में आ सकता है। हालांकि मरकरी और ऑटिज्म के बीच की कड़ी को साबित करने के लिए कोई पक्के सबूत मौजूद नहीं है। अलग-अलग अध्ययनों में इसके अलग कारण बताए गए हैं।

अल्जाइमर के लिए केलेशन थेरेपी

अल्जाइमर एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। इस बीमारी में ब्रेन में टाउ और बीटा एमिलॉयड नामक असामान्य प्रोटीन इकट्ठा हो जाते हैं और ब्रेन को नुकसान पहुंचाते हैं। कुछ शोधकर्ताओं का यह मानना है कि तांबा, लोहा और जस्ता जैसे धातुओं के इकट्ठा होने से भी अल्जाइमर रोग होता है। यदि ऐसा है तो इसके इलाज में केलेशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह इस बीमारी में कारगर है।

केलेशन थेरेपी के साइड इफेक्ट्स

केलेशन थेरेपी का यदि सही तरीके से और सही कारण में उपयोग किया जाए तो यह सुरक्षित हो सकता है। इसके सबसे आम दुष्प्रभावों में उस क्षेत्र में जलन जहां आप मरीज प्ट लगाया जाता है। इसके अलावा मरीज को बुखार, सिर दर्द, मतली और उल्टी का भी अनुभव हो सकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि केलेशन थेरेपी हमेशा एक्सपर्ट की देखरेख में किया जाए।

सर्वाइकल कैंसर से हर साल होती है 342000 लोगों की मौत

भारत में, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं को प्रभावित करने वाला तीसरा सबसे प्रमुख कैंसर है और करीब 18.3 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है। दुनियाभर में हर साल इसकी वजह से लगभग 3,42,000 लोगों की मौत होती है। डॉ कृति चड्ढा, चीफ साइंटिफिक एंड इनोवेशन ऑफिसर, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड के अनुसार, यह याद रखना चाहिए कि अमूमन इसकी प्री-कैंसर स्टेज लंबी होती है और यही कारण है कि वैक्सीनेशन और रूटीन स्क्रीनिंग से एचपीवी के कारण होने वाले कैंसर रोगों से बचाव किया जा सकता है। सर्वाइकल कैंसर शुरुआती स्टेज में ज्यादातर बिना किसी लक्षण के होता है और जैसे-जैसे रोग बढ़ता है तो अनियमित ब्लीडिंग या डिस्कम्फर्ट भी बढ़ता है। रूटीन स्क्रीनिंग जैसे कि पैप स्मीयर और एचपीवी टेस्ट शरीर में होने वाले प्री-कैंसर बदलावों की पहचान करने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होते हैं। स्क्रीनिंग संबंधी गाइडलाइंस के मुताबिक, 30 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हाई-रिस्क एचपीवी टेस्टिंग या पैप-एचपीवी को-टेस्टिंग हर पांच साल में करवाना चाहिए, जिसमें पैप स्मीयर कोशिकाओं में असामान्यता से वायरस का पता लगाने में सक्षम है। यह कंबीनेशन टेस्ट, जिसे को-टेस्ट भी कहते हैं, शुरुआती स्टेज में ही कोशिकाओं में होने वाले बदलावों या असामान्यताओं को पकड़ता है।

चीर-फाड़ के बिना पता लगाएं कितनी नसें हैं ब्लॉक, भर्ती भी नहीं होना

नसों में ब्लॉकेज के कारण हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और दिल व दिमाग की बीमारी होती है। दिल के आसपास की ब्लॉक नसों का पता लगाने के लिए एंजियोग्राफी की जाती है। इसमें शरीर पर चीरा लगाया जाता है और नसों में पतली सी ट्यूब डाली जाती है। इस टेस्ट के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है और पैसा भी लगता है। लेकिन क्या आप सीटी एंजियोग्राम टेस्ट के बारे में जानते हैं, जिसे कई बार सीटी एंजियोग्राफी भी कहा जाता है। इसमें न आपके शरीर पर कोई चीरा लगता है, न ही अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है और न एंजियोग्राफी जितने पैसे लगते हैं। आयुर्वेद कंसल्टेंट डॉ. सुगंधा शर्मा ने इस बारे में जानकारी दी है। सीटी एंजियोग्राफी का पूरा नाम कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी है। इसे करने के लिए व्यक्ति को कुछ घंटे कुछ न खाने-पीने के लिए कहा जाता है। इसके बाद एक इंजेक्शन या आईवी की मदद से नसों में स्पेशल डाई डाली जाती है। इसके बाद आपके पूरे शरीर का स्कैन लिया जाता है। डाई की मदद से नसें और उनके अंदर मौजूद चीजों की इमेज बनती है, जिससे ब्लॉकेज के बारे में पता लगता है। सीटी एंजियोग्राम के साइड इफेक्ट न के बराबर हैं।

पंकज त्रिपाठी की मसाला चाय क्यों है स्पेशल? डालते हैं रसोई में रखी 1 चीज

सुबह-सुबह एक कप बढ़िया चाय मिल जाए तो पूरा दिन अच्छा जाता है। कई लोगों को मसालेदार चाय पीना पसंद होता है और ठंड में तो अधिकतर इसका सेवन करते हैं। इन लोगों में एक्टर पंकज त्रिपाठी भी शामिल हैं। मसाला चाय उनकी फेवरेट है और ब्रेकफास्ट में इसके साथ पोहा खाना पसंद है। एक्टर अपनी मसाला चाय को खुद बनाना पसंद करते हैं, जिसमें खास मसाला जरूर डालते हैं। पंकज त्रिपाठी की चाय में मौजूद इस मसाले के बारे में अधिकतर लोग नहीं जानते होंगे कि यह भी चाय में डाला जा सकता है। सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर प्राजक्ता कोली के साथ नेटफ्लिक्स के लिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने मसाला चाय की स्पेशल रेसिपी शेयर की। इस दौरान उन्होंने जब बताया कि चाय के अंदर तेज पत्ता डालते हैं तो प्राजक्ता कोली भी चौंक गई। क्योंकि यह मसाला अधिकतर लोग नहीं डालते हैं। सर्दियों में ठंड लगने का खतरा बना रहता है। साथ ही बैक्टीरिया, वायरस का संक्रमण बढ़ जाता है। ऐसे में तेज पत्ता आपको इन सभी बीमारियों से बचा सकता है। शोध के मुताबिक इसके अंदर एंटी इंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टी होती हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। यह हमारे शरीर क बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

युजवेंद्र चहल के नाम 96 विकेट

युजवेंद्र चहल के नाम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 96 विकेट हैं। 2016 में उन्होंने भारत के लिए डेब्यू किया। जल्द ही टीम के प्रीमियर गेंदबाज बन गए। 80 मैच में उन्होंने ये विकेट लिए हैं। वह दो बार पारी में 4 और एक बार 5 विकेट ले चुके हैं। हालांकि इसके बाद भी चहल को भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। 2021 में हुए टूर्नामेंट की वह टीम में नहीं थे। फिर 2022 में खेलने का मौका नहीं मिला।

चहल को पीछे छोड़ने के लिए हार्दिक और अर्शदीप में जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) डरबन। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। हालांकि पूरे टूर्नामेंट में चहल को एक भी मैच खेलने को मौका नहीं मिला। टूर्नामेंट खत्म होते ही चहल को टीम से ड्रॉप कर दिया गया। भारत के लिए उन्होंने अपना आखिरी टी20 मैच अगस्त 2023 में खेला था। 15 महीने से टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेल पाने के बाद भी भारत के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड टूट सकता है। चहल के बाद सबसे ज्यादा 90 विकेट भुवनेश्वर कुमार के हैं। जसप्रीत बुमराह 89 विकेट ले चुके हैं। लेकिन ये दोनों ही गेंदबाज साउथ अफ्रीका सीरीज में हिस्सा नहीं हैं। 87–87 विकेट अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या ने झटके हैं। ये दोनों साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे। दोनों के पास चहल को पीछे छोड़कर भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने का मौका होगा। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का रिकॉर्ड बेहतरीन है। उन्होंने 2022 में भारत के लिए डेब्यू किया था।

आउट होने का नया–नया तरीका खोज ही लेते हैं केएल राहुल

क्रिकेट

इंडिया ए के लिए दूसरी पारी में भी केएल राहुल फेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। कहावत है ना कि जब किस्मत खराब हो तो ऊंट पर बैठे आदमी को भी कुत्ता काट लेता है। कुछ ऐसा ही केएल राहुल के साथ हो रहा है। खराब फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। भारत को अब ऑस्ट्रेलिया जाना है। दौरा शुरू होने से पहले इंडिया ए की टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। राहुल को अभ्यास के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया।

केएल राहुल इंडिया ए की दूसरी पारी में अजीबोगरीब तरीके से आउट हो गए। मैच की पहली पारी में राहुल के बल्ले से सिर्फ 4 रन निकले थे। दूसरी पारी में वह पिच पर सेट हो रहे थे। इसी बीच लेग स्टंप के बाहर जा रही गेंद पर उनका ऑफ

स्टंप उड़ गया। दरअसल ऑफ स्पिनर कोरी रोच्चिचोली की गेंद लेग स्टंप से बाहर जा रही थी। राहुल ने उसे पैड से धकेलने की कोशिश की लेकिन गेंद पैड में लगने के बाद ऑफ स्टंप पर जा लगी।

केएल राहुल के आउट होने के बाद सभी हैरान रह गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की भी हंसी नहीं रुक रही थी। कमेंटेटर भी विकेट गिरने पर हैरान थे। राहुल के बोल्ड होने के बाद कमेंटेटर ने कहा– मुझे नहीं पता कैसे लेकिन यह आउट है। गेंद राहुल के दोनों पैर से बीच से जाकर विकेट पर लगी। सलामी बल्लेबाज करने उतरे राहुल ने 44 गेंदों पर 10 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में कोई बाउंड्री नहीं थी। राहुल बेहद शर्मनाक अंदाज में आउट होकर पवेलियन लौट गए। भारतीय बैटर को खुद के आउट होने के अंदाज पर विश्घ्वास नहीं हुआ और वो निराशाभरे भाव के साथ पवेलियन लौटे। इससे संजय बांगड़ का वो कथन सच होते हुए नजर आया कि केएल राहुल खुद को आउट करने के लिए नए तरीके खोजते हैं। जो भी केएल राहुल के आउट होने का वीडियो देख रहा है, वो गुस्सा हो रहा है।

दूसरे अनाधिकारिक मैच की पहली पारी में 11 रन पर इंडिया ए के टॉप–4 बल्लेबाज आउट हो गए थे। दूसरी पारी में भी टीम की शुरुआत खराब रही। 56 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई। अभिमन्यु ईश्वरन ने 17 रन बनाए तो साई सुदर्शन ने 3, रुतुराज गायकवाड़ ने 11 और देवदत्त पडिक्कल ने 1 रन बनाए।

कोच गौतम गंभीर की बढ़ी सिरदर्दी!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही है। 22 नवंबर से भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाना है और इस टेस्ट की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों की फॉर्म ने हर किसी की चिंता बढ़ा दी है। बीसीसीआई ने आगामी टेस्ट सीरीज से पहले केएल राहुल, अभिमन्यु को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा है, जहां वह इंडिया–ए की तरफ से दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अभिमन्यु ईश्वरन और केएल राहुल दोनों बल्ले से फ्लॉप रहे। पहली पारी में बल्ले से फेल होने के बाद दूसरी पारी में भी दोनों ही खिलाड़ी रन बनाने को जूझते रहे, जिसके बाद कोच गौतम गंभीर की सिरदर्दी जरूर बढ़ गई होगी।

ऑस्ट्रेलिया को दे डाली ऐसी शर्मनाक हार, पैट कमिंस की तोड़ी हेकड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एडिलेड। एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया को भारतीय टीम के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलना है तो उसे दूसरी ओर, अपने ही मैदान पर पाकिस्तान के हाथों शर्मनाक हार के लिए मजबूर होना पड़ा। उसे एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में कमाल कर दिया।

पाकिस्तान ने पहले ऑस्ट्रेलिया को 35 ओवरों में 163 रनों पर ढेर कर दिया तो इस लक्ष्य को एक विकेट खोकर आसानी से फतह कर लिया। पाकिस्तान के लिए गेंदबाजी में हारिस रऊफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके तो बल्लेबाजी में सैम अयूब ने सबसे अधिक 82 रन बनाए।

इस शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के तेवर थोड़ा

■ पाकिस्तान ने कर दिया भारत का काम

ढीले होंगे। एक समय तो लग रहा था कि पाकिस्तान टीम बिना कोई विकेट गंवाए ये मैच जीत लेगी, लेकिन सैम अयूब एडम जांपा को हवा में खेल बैठे और हेजलवुड के हाथों लपके गए।

इस तरह से पाकिस्तान को मैच में इकलौता झटका लगा, जबकि पूर्व कप्तान बाबर आजम ने जांपा को विनिंग सिक्स लगाते हुए पाकिस्तानी फैंस को जश्न मनाने का मौका दे दिया।

सैम अयूब ने 71 गेंदों में 5 चौके और 6 छक्के उड़ाए, जबकि बाबर आजम 30 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहे। अब्दुल्ला शफीक ने 69 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्के दम पर नाबाद 64 रन ठोके। इससे पहले सीरीज का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा था, जबकि अब सीरीज 1–1 से बराबर हो गई है। इस हार से उसके ऊपर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनेगा। उस पर अब सीरीज हारने का खतरा भी मंडराने लगा है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपने ही मैदान पर पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी के आगे घुटने टेक दिए। उसने 35 ओवरों में सभी विकेट गंवाकर 163 रन बनाए। उसके लिए सबसे अधिक स्टीव स्मिथ ने 35 रन की पारी खेली, जबकि पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने एक बार फिर 5 विकेट झटके, जबकि शाहीन के खाते में 3 विकेट रहे। नसीम शाह थोड़ा महंगे रहे और 65 रन खर्च करते हुए एक विकेट हासिल किया।

न्यूज डायरी

वाइफ अनुष्का संग मुंबई के रेस्टोरेंट में डोसा डेट पर गए कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा दो सबसे लोकप्रिय प्रेमी हैं। इस कपल की पूरी दुनिया में चाहने वालों की कमी नहीं है। कोहली–अनुष्का के दो बच्चे हैं, जिनका नाम अकाय और वामिका हैं। इस कपल को हमेशा एक दूसरे के साथ समय बिताते हुए देखा जाता हैं। हाल ही में दोनों मुंबई के साउथ इंडियन रेस्टोरेंट में डेट पर गए, जिसकी तस्वीरें रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने क्लिक की और अब वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दरअसल, टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की वीकेंड की शुरुआत बहुत अच्छी हुई। मुंबई के एक प्रसिद्ध डोसा रेस्टोरेंट पर इस कपल ने साउथ इंडियन खाने का लुत्फ उठाया। इस दौरान दोनों ने वायरल बेन्ने डोसा को टेस्ट किया। इन दोनों की रेस्टोरेंट की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है। देखा जा सकता है कि कपल ने रेस्टोरेंट में काम कर रहे लोगों के साथ स्माइल करते हुए तस्वीर भी क्लिक कराई। उन्होंने एक कैप पर अपना ऑटोग्राफ भी वहां के कर्मचारी को दिया। डोसा डेट पर विराट कोहली और अनुष्का ने कैजुअल आउटफिट में नजर आए, जहां दोनों ने सिर पर कैप पहनी हुई थी। विराट ने रेस्टोरेंट स्टाफ के साथ पोज देते समय अनुष्का के कंधे पर हाथ रखा। इन तस्वीरों की सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा चर्चा भी हो रही है।

रिजवान ने बल्लेबाज से पूछकर लिया डीआरएस, सरेआम हुई बेइज्जती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एडिलेड। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच एडिलेड में खेल गया। इस मैच में पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने एक अजीबोगरीब हरकत कर दी। एडिलेड ओवल में खेले जा रहे इस मैच में रिजवान ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एडम जम्पा के खिलाफ जोरदार अपील की। डीआरएस लेने के लिए अपने साथी खिलाड़ियों की जगह उन्होंने बल्लेबाज से ही पूछ लिया।

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 34वें ओवर में घटी। नसीम शाह की गेंद पर जम्पा ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद उन्हें छकाकर विकेटकीपर के पास चली गई। रिजवान ने तुरंत कैच आउट की अपील की, लेकिन उन्हें खुद यकीन नहीं था कि गेंद बल्ले से लगी है या नहीं। इसके बाद रिजवान बल्लेबाज से ही बात करने लगे। मोहम्मद रिजवान ने अपने गेंदबाज की तरफ देखा भी नहीं। जम्पा के कहने पर उन्होंने डीआरएस लेने का इशारा कर दिया। रिप्ले में साफ दिख रहा था कि गेंद और बल्ले के बीच काफी फासला था। स्निकोमीटर देखने से पहले ही पाकिस्तान के फील्डर अपनी–अपनी जगह पहुंच गए। इसके बाद थर्ड अंपायर ने नॉट आउट का इशारा कर दिया। रिजवान का फैसला किसी को समझ नहीं आया। गनीमत रही कि इन चूकों का खामियाजा पाकिस्तान को नहीं भुगतना पड़ा। जब यह घटना हुई तो ऑस्ट्रेलिया के 9 विकेट गिर चुके थे। टीम का स्कोर 153 रन था। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 163 रनों पर ढेर हो गई।

प्रसिद्ध कृष्णा की स्पीड ने ऑस्ट्रेलिया ए के उड़ाए होश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरे 22 नवंबर से शुरू होगा। पर्थ स्टेडियम पर दोनों टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला खेला जाएगा। उस सीरीज से पहले इंडिया ए की टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ टीम मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेल रही है। मैच की पहली पारी में इंडिया ए की टीम ने 161 रन बनाए थे। जवाब में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त हासिल नहीं करने दी। भारत के लिए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने अपने लंबाई का फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों को काफी परेशान भी किया। प्रसिद्ध ने सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस के साथ ही ओलिवर डेविस, जिमी पीर्सन और स्कॉट बोलैंड को आउट किया। उन्होंने 16 ओवर की गेंदबाजी में 6 मेडल ओवर डाले। इस दौरान बल्लेबाज उनके खिलाफ 50 रन बना पाए। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 223 रनों पर सिमट गई। प्रसिद्ध कृष्णा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अभी तक उन्होंने भारत के लिए दो टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें उनके नाम दो विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम ने 5 प्रमुख तेज गेंदबाजों को चुना है।

पेज थ्री देहरादून

लाल कृष्ण आडवानी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वामी चिदानन्द सरस्वती।

देहरादून, शनिवार, 9 नवंबर 2024

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

राजस्व के लिए जनमानस के साथ धोखाधड़ी की नही दी जा सकती है छूटः डीएम

संवाददाता देहरादून। डीएम ने रजिस्ट्रार कार्यालय की लचर कार्यप्रणाली पर लगाई फटकार, एडीएम को एक सप्ताह के भीतर पूरी तैयारी के साथ बैठक कराने के दिए निर्देश। जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए एआईजी स्टाम्प एंव सब रजिस्ट्रार सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि फर्जीवाड़ा रोकने हेतु प्रभावी कार्य योजना बनाने तथा जनमानस को फर्जीवाड़े से बचाने के लिए जागरूक करने हेतु व्यवस्था बनाने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्व के लिए जनमानस के साथ धोखाधड़ी की छूट नही दी जा सकती है।

सचिवालय में आईडी कार्ड गले में डाल कर आएं कर्मचारी, अधिकारी

संवाददाता देहरादून। सचिवालय में बिना पहचान पत्र के आने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सख्त हिदायत जारी की। स्पष्ट निर्देश जारी किए कि जब भी सचिवालय में आएं, तो पहचान पत्र को गले में डाल कर ही आएं। ताकि सुरक्षा कर्मियों के लिए पहचान करना आसान रहे। साथ ही अवांछित लोगों का प्रवेश रोका जा सके। मुख्य सचिव ने शुक्रवार को जारी कार्यालय आदेश में कहा कि लंबे समय से देखा जा रहा है कि अधिकतर कर्मचारी, अधिकारियों द्वारा अपने अधिकारिक पहचान पत्र को धारण नहीं किया जा रहा है। इसके कारण अवांछित लोग भी सचिवालय में प्रवेश कर रहे हैं।

सेलाकुई हादसे में झुलसे युवक की हालत गंभीर

संवाददाता देहरादून। सेलाकुई दवा फैक्ट्री में आग लगने से 90 फीसदी जले युवक नितिन की हालत बेहद गंभीर बनी है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने शुक्रवार को दून अस्पताल पहुंचकर हादसे में झुलसे मरीजों का हाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों को मरीजों के उचित इलाज के निर्देश दिए। गुरुवार को हुए इस हादसे में झुलसे नितिन को दून अस्पताल के बर्न यूनिट के आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है।

19 नवंबर को भरतपुर में मेगा कौशल महोत्सव, 11 हजार से ज्यादा अवसर

संवाददाता देहरादून। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वाधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) 19 नवंबर को भरतपुर में एक मेगा जॉब फेयर, कौशल महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भरतपुर के विधायक सुभाष गर्ग ने रोजगार मेले पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह युवाओं को अपने संबंधित क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर है।

राज्य में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन स्वर्णिम अवसर व चुनौती: सीएस

निर्देश

- नेशनल गेम्स आयोजन की तैयारियों को तत्परता से अन्तिम रूप देने के निर्देश
- नेशनल गेम्स के सुव्यवस्थित व सफल आयोजन हेतु सभी सम्बन्धित विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन को स्वर्णिम अवसर एवं चुनौती के रूप में लेने की हिदायत देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को तैयारियों को तत्परता से अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने नेशनल गेम्स हेतु राज्य के खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को उत्कृष्ट स्तर तक विकसित करने के निर्देश दिए हैं ताकि भविष्य में राज्य की उभरती हुई युवा खेल प्रतिभाएं अधिकाधिक लाभान्वित हो सके। शुक्रवार को सचिवालय में 38वें राष्ट्रीय खेल 2024 की उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने विभिन्न वित्तीय एवं सैद्धान्तिक स्वीकृतियां प्रदान की।

प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया को ससमय सम्पन्न करने को लेकर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने खेल इक्यूपमेंट से सम्बन्धित निविदा प्रक्रिया को समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने नेशनल गेम्स के सुव्यवस्थित व सफल आयोजन हेतु सभी सम्बन्धित विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने नगर निगम देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी व रूद्रपुर से शहरों के सौन्दर्यीकरण, खेल आयोजन स्थलों तक जाने वाली अप्रोच रोड के मरम्मत, आयोजन स्थलों से कूड़ा प्रबन्धन एवं वॉलियन्टर्स को बस सेवाओं का लाभ देने के सम्बन्ध में समन्वय हेतु निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने यूपीसीएल से खेल आयोजन स्थलों में आयोजन के दौरान अबाध विद्युत आपूर्ति तथा आयोजन स्थलों को इलेक्ट्रिकल सेफ्टी सर्टिफिकेट सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में समन्वय करने के निर्देश दिए हैं। पेयजल निगम से आयोजन स्थलों के स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्टिफिकेशन के सम्बन्ध में समन्वय हेतु निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग से आयोजक शहरों के भीतरी एवं बाहरी सड़कों के सौन्दर्यीकरण तथा आयोजन स्थलों के स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्टिफिकेशन के सम्बन्ध में समन्वय हेतु निर्देश दिए गए हैं। पर्यटन विभाग से उत्तराखण्ड के पर्यटक स्थलों का खेल गतिविधियों के साथ प्रचार प्रसार के सम्बन्ध में निर्देश दिए गए हैं। उत्तराखण्ड अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के साथ आयोजन स्थलों के फायर सेफ्टी सर्टिफिकेशन तथा आयोजन स्थलों पर फायर ब्रिगेड गाड़ियों की पर्याप्त व्यवस्था हेतु समन्वय के लिए निर्देश दिए गए है।

मुख्य सचिव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून, हरिद्वार, टिहरी, उधमसिंह नगर व नैनीताल के साथ आयोजन स्थलों पर सुरक्षा प्रबन्धन, ट्रेफिक मूवमेंट, पार्किंग मेनेजमेंट, वीवीआईपी हेतु पुलिस एस्कोर्ट व प्रोटोकॉल प्राप्त गणमान्यों हेतु सुरक्षा प्रावधानों के सम्बन्ध में समन्वय हेतु निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने एयर पोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया व उत्तरी रेलवे जोन के साथ निःशुल्क हेल्प डेस्क सुविधा हेतु जगह देने, खिलाड़ियों व अतिथियों को रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट एवं स्टेशन पर विशेष स्थान देने व पास सुविधा हेतु समन्वय करने के निर्देश दिए हैं।

आयोजन स्थल को फिट टू ईट का प्रमाणीकरण देने के निर्देश

सीएस ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से 38वें नेशनल गेम्स के प्रत्येक आयोजन स्थल को फिट टू ईट का प्रमाणीकरण देने के सम्बन्ध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से आयोजन स्थलों पर फिजियोथेरेपिस्ट, साइकोथेरेपिस्ट, नर्स, दवाईयों एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था के संबंध में समन्वय हेतु निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड पर्यटन और तीर्थाटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य: सीएम

स्वच्छता कार्यक्रम

- मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस के पूर्व दिवस पर स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना दिवस के पूर्व दिवस पर रेसकोर्स में स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देहरादून नगर निगम के अंतर्गत स्ट्रीट लाइट की शिकायत के लिए बनाए गए क्यू आर स्कैनर का शुभारंभ भी किया। यह स्कैनर देहरादून नगर निगम के अंतर्गत लगी स्ट्रीट लाइट के खंभों पर

लगाया जाएगा। स्ट्रीट लाइट खराब होने पर कोई भी व्यक्ति इसे स्कैन कर शिकायत दर्ज कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्मोड़ा के मार्चुला में बस हादसे में दिवंगत लोगों की स्मृति में आज प्रदेशभर में स्वच्छता और सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बस हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की है।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा 10 साल पहले चलाए गए स्वच्छ भारत अभियान के परिणामस्वरूप पूरे देश में स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी। प्रधानमंत्री की स्वच्छ और स्वस्थ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड पर्यटन और तीर्थाटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया है कि स्वच्छता को अपनी नियमित दिनचर्या बनाकर देवभूमि उत्तराखंड को स्वच्छ रखने में सरकार के सहयोगी बने।

सीएम ने कहा की उत्तराखंड राज्य रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इन 24 सालों में हमारी देवतुल्य जनता के सहयोग से हर क्षेत्र में राज्य तेजी से आगे बढ़ा है। इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए जन सहभागिता से राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं।

राज्य की मूल अवधारण के प्रश्न आज भी नहीं हो पाए हलः आर्य

संवाददाता देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस उत्तराखंड का सपना राज्य आंदोलनकारियों ने देखा था, वह आज तक पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि राज्य की मूल अवधारणा के प्रश्न हमारे सामने आज भी वैसे ही खड़े हैं।

आर्य ने कहा कि उत्तराखंड में लगातार घट रही उत्पादकता और बढ़ रहे खर्च के बदौलत आज प्रदेश लगातार कर्ज में डूबता जा रहा है, जिसका सरकार अभी तक स्थाई समाधान नहीं ढूंढ पाई है। आज यह स्थिति है कि हर महीने सरकार को 200 से 300 करोड़ रुपये तक का ऋण बाजार से उठाना पड़ता है। राज्य बनते समय हम बात करते थे कि, हमारी आर्थिकी का आधार पर्यटन, उद्यान और जल विद्युत परियोजनाऐं होंगी। आज हम इन तीनों ही क्षेत्रों में लक्ष्य से बहुत दूर हैं। राज्य के स्थानीय निवासियों की इन तीनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हिस्सेदारी लगातार घट रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।